अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़
वार्षिक पारितोषिक–वितरण समारोह – 10 अप्रैल, 2015
वार्षिक विवरण (2014–2015)

अग्रवाल महाविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित आज के मुख्य अतिथि सम्माननीय डॉ० अनिल जैन जी, कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में उपस्थित माननीय श्री कृष्णपाल गुर्जर जी (सामाजिक न्याय और अधिकारिता के राज्य मंत्री, भारत सरकार) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री विपुल गोयल जी, बल्लबगढ़ विधान सभा क्षेत्र के विधायक श्री मूलचन्द शर्मा जी, हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव श्री दीपक मंगला जी, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मोनिका मंगला जी, बड़खल विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्रीमती सीमा त्रिखा जी, अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के पूर्व प्रधान श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी, वर्तमान प्रधान आदरणीय श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, कॉलेज प्रबन्धन समिति के अन्य माननीय पदाधिकारी, विद्या प्रचारिणी सभा के आदरणीय सदस्य, कॉलेज में कार्यरत प्राध्यापक व गैर शिक्षक समुदाय, कर्मचारी–वर्ग, पत्रकार बन्धु तथा पुरस्कार प्राप्त करने आए विद्यार्थियो –
आप सबका हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन I

आज के समारोह के मुख्य अतिथि सम्मानीय डॉ० अनिल जैन अत्यन्त प्रतिष्ठित और गरिमामय व्यक्तित्व के स्वामी हैं I अत्यन्त प्रतिभाशाली एवं सजग विद्यार्थी होने के साथ–साथ आप बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवक रहे I उच्चकोटि के सर्जन होने के साथ–साथ आप RSS चिन्तन के दृढ़ समर्थक हैं I आपने Medical Science और Laparoscopic Surgery पर अनेक लेख और शोध–पत्र लिखे तथा Surgury से संबंधित अनेक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भी विशेष योगदान दिया I आपने प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के लिए 2001 से अबतक भारतीय जनता पार्टी से जुड़कर सक्रिय राजनीति में अनेक महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई I वर्ष 2013 से आप पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और हरियाणा के प्रभारी के रूप में कार्य कर रहे हैं I आप जैसे बहुमुखी प्रतिभासंपन्न व्यक्ति को अपने महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पाकर हम निश्चित ही गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं I

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री सम्मानीय श्री कृष्णपाल गुर्जर जी अत्यन्त सहृदय, मिलनसार एवं ज़मीन से जुड़े व्यक्ति हैं I वकालत

की पढाई पूरी करने के पश्चात आप सक्रिय राजनीति के लिए भारतीय जनता पार्टी से सम्बद्ध हुए I 1994 से लेकर अबतक आप अपने क्षेत्र के प्रिय नेता और जन सामान्य की आवाज से पहचाने जाते हैं I अपनी विनम्र छवि से आप जन–जन के हृदय को प्रभावित करते हैं I

समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में मौजूद फरीदाबाद विधान सभा क्षेत्र के विधायक भाई श्री विपुल गोयल जी, बल्लबगढ़ विधान सभा क्षेत्र के विधायक श्री मूलचन्द शर्मा जी, बड़खल विधान सभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती सीमा त्रिखा किसी परिचय के मोहताज़ नहीं हैं I अपने–अपने क्षेत्र में जिस निष्ठा और समर्पण भाव से आप कार्य कर रहे हैं, उससे आपकी लोकप्रियता बढ़ी है I हरियाणा सरकार के मुख्य मंत्री के राजनीतिक सचिव भाई श्री दीपक मंगला जी पार्टी में अपनी कर्मठता व निष्ठा के लिए जाने जाते हैं I
आप सभी विभूतियों का महाविद्यालय परिसर में अभिनन्दन I

अत्यन्त कर्मठ, व्यवहार–कुशल, सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित और न्यायशील–व्यक्तित्व के धनी मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को कॉलेज प्रागंण में उपस्थित पाकर हम गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं I मान्यवर, आपने हमारे आग्रह को स्वीकार कर अपने व्यस्त समय में से वक्त निकाला, इसके लिए हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं I आपके ओजस्वी विचारों को सुनकर और आपके द्वारा पुरस्कार प्राप्त कर हमारे विद्यार्थी अवश्य ही लाभान्वित होंगे I

मान्यवर, अब मैं आपके समक्ष अपने महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करता हूँ I वर्ष 1971 में बल्लबगढ़ और आस–पास के गाँवों के युवाओं की उच्च–शिक्षा की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कुछ प्रतिबद्ध–समाजसेवियों ने अग्रवाल महाविद्यालय की स्थापना की I इस महाविद्यालय के अतिरिक्त इस सत्र से अग्रवाल बी.एड. कॉलेज भी आरंभ हो चुका है I अग्रवाल विद्या प्रचारिणी–सभा की स्थापना वर्ष 1945 में हुई. इस सभा द्वारा संचालित छः विद्यालय भी हैंण इन सभी संस्थाओं में आज कुल 11465 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं I जिसमें 4075 विद्यार्थी महाविद्यालय के हैं I महोदय, हमारी विद्या प्रचारिणी सभा के सभी सदस्य उदार हृदय भी हैं जिसके चलते उन्होंने गरीबी रेखा से नीचे एवं अन्य सभी विद्यार्थी जो फीस देने में असमर्थ हैं उनकी सहायतार्थ **73,69,100** रू0 की धन राशि का Fee concession किया है जो अपने आप में एक मिसाल है, ज़रूरतमन्द विद्यार्थियों को किताबें भी दी जाती हैं I
महाविद्यालय में कुल 26 कोर्स चलाये जा रहे हैं जिसमें से 6 स्नातकोत्तर स्तर के और 7 व्यवसायपरक

हैं I कॉलेज के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त तीन पुस्तकालय, 540 कम्प्यूटरों से युक्त 10 कम्प्यूटर लैब, रसायन शास्त्र व भौतिक–शास्त्र की प्रयोगशालाएं हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक–ज्ञान प्रदान किया जाता है I महाविद्यालय में LCD और Smart Board से युक्त 8 Smart Class Rooms हैं.

मान्यवर, महाविद्यालय के सभी कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए विभिन्न समितियाँ गठित की गई हैं I विद्यार्थियों को आत्माभिव्यक्ति का मंच प्रदान करने के लिए वार्षिक पत्रिका "स्रोत" प्रकाशित की जाती है और कॉलेज की समस्त गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए "त्रैमासिक समाचार पत्रिका" (News Letter) भी प्रकाशित की जा रही है I

विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के संयुक्त प्रयासों के द्वारा कॉलेज ने विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं I

हमारे महाविद्यालय के परीक्षा–परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव सकारात्मक रहते हैं I वर्ष 2013–14 की वार्षिक–परीक्षा में 105 विद्यार्थियों ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की मैरिट–लिस्ट में स्थान प्राप्त किया I 49 विद्यार्थी पहले स्थान से दसवें स्थान पर रहे और 4 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की मैरिट–लिस्ट में प्रथम स्थान मिला I

खेलों के क्षेत्र में महाविद्यालय के छात्र गौरव गर्ग ने तमिलनाडु में आयोजित National Federation Cup Championship में और श्रीलंका में आयोजित International India-Srilanka Throw Ball Series Tournament में स्वर्ण–पदक हासिल कर न केवल महाविद्यालय और विश्वविद्यालय का बल्कि हरियाणा और राष्ट्र का भी गौरव बढ़ाया है I छात्रा प्रीति लांबा ने Athletics में राष्ट्रीय स्तर पर All India Inter University Cross Country Championship में कांस्य पदक और राँची में आयोजित South Asia Federation Junior Athletics Championship (1500 मी० और 3000 मी०) में रजत पदक प्राप्त कर सम्मान अर्जित किया I महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई तीन का स्वयंसेवक राघव बाफना सामाजिक कार्यों में अपने योगदान के लिए महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक का सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक चुना गया I हमारे कॉलेज की रसिया नृत्य की टीम ने कुरुक्षेत्र में "हरियाणा दिवस" पर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर और प्रगति मैदान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में प्रदर्शन कर अपने नृत्य का परचम लहराया I कॉलेज के नाट्य समूह "मंथन" से जुड़े विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक मुद्दो को प्रकट करने वाले नुक्कड़ नाटक

"हल्ला बोल" ने ना केवल बल्लबगढ़ अपितु अनेक अन्तःमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं और सूरजकुण्ड हस्तशिल्प मेले के दौरान अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सराहना व प्रशंसा अर्जित की I

विद्यार्थियों के साथ–साथ हमारे महाविद्यालय के प्राध्यापक भी समय–समय पर राष्ट्रीय और अन्तर्रष्ट्रीय संगोष्ठियों व कार्यशालाओं में अपने शोध–पत्र प्रकाशित करवा छात्र–हित में अपने ज्ञान का नवोदय करते रहते हैं I हमारे महाविद्यालय में इस शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और महानिदेशक उच्चतर शिक्षा के सहयोग से 4 राष्ट्रीय सेमिनार सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं I

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास व जागरुकता बढाने के लिए अनेक फोरम व क्लब हैं I एन.एस.एस., एन.सी.सी के साथ साथ महिला प्रकोष्ठ, पर्यावरण क्लब, रैडक्रॉस, रैडरिबन क्लब, कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, हिन्दी साहित्य परिषद, अंग्रेज़ी, संगीत, विज्ञान, गणित, स्पोर्टस, कम्प्यूटर, अर्थशास्त्र, पर्यावरण, वाणिज्य और प्रबन्धन सभी विषयों से संबंधित फोरम विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर अनेक विद्वानों की वार्ताएं, भाषण व ज्ञान–उपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं I

महाविद्यालय में वन महोत्सव, एड्स दिवस, स्वामी विवेकानन्द तथा स्वामी दयानन्द जैसे महापुरुषों के जन्म दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, हिन्दी दिवस मनाए जाते हैं ताकि विद्यार्थी अपनी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विरासत से जुड़े रहें I इस वर्ष रक्तदान शिविर में 509 इकाई रक्त एकत्र किया गया जो कि अपने आप में एक कीर्तिमान है I

मान्यवर, हमारे महाविद्यालय की इन समस्त उपलब्धियों का श्रेय विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, गैर शिक्षण कर्मचारियों और प्रबन्धन समिति के सामूहिक प्रयास को जाता है I इन्हीं सामूहिक प्रयासों का सुफल यह है कि गत वर्ष राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्ययन परिषद की तीन सदस्यों की टीम ने महाविद्यालय की समस्त गतिविधियों, विभागों, Infrastructure और प्रशासनिक कार्यों की बारीकी से जाँच करते हुए कॉलेज को 3.40 सी.जी.पी.ए. प्रदान करते हुए "**A**" ग्रेड प्रदान किया I अब इस महाविद्यालय की गणना हरियाणा तो क्या भारत के श्रेष्ठतम महाविद्यालयों में की जाती है I लेकिन हमें इस मंज़िल पर ठहरना या रुकना नहीं है, बल्कि निरंतर आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है I

इसलिए कॉलेज Potential for Excellence के लिए प्रयासरत है I

भारत सरकार और हरियाणा सरकार की नीति के अन्तर्गत महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

की ओर से University Outreach कार्यक्रम आरंभ किया गया है और इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामुदायिक विकास में सामंजस्य स्थापित करना है I इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए अग्रवाल महाविद्यालय ने प्रबन्ध समिति की स्वीकृति से चंदावली गाँव को गोद लिया है I वहाँ हमारे कॉलेज के एन.एस.एस., एन.सी.सी. तथा रैड क्रॉस से जुड़े प्राध्यापकों और छात्रों द्वारा स्वास्थ्य, स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशा मुक्ति आदि ज्वलन्त विषयों पर सकारात्मक कार्य किया जा रहा है I

महोदय, विज्ञान, शिक्षा, अनुसंधान और नवोन्मेष चार स्तम्भ हैं जिन पर किसी राष्ट्र की कार्य संस्कृति और विकास टिका होता है I महाविद्यालय में हम अपने विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और आवश्यक कौशल प्रदान करते हैं ताकि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल हों I

कॉलेज के विकास और प्रगति में अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा तथा इसके पदाधिकारियों विशेषतः पूर्व प्रधान लाला रतन सिंह गुप्ता जी, वर्तमान प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, उपप्रधान श्री वासुदेव गुप्ता जी, महासचिव श्री विजय कुमार गुप्ता जी, व कोषाध्यक्ष श्री मेहर चन्द मित्तल का महत्वपूर्ण योगदान है ᑊ परम श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी ने ३५ वर्ष तक निरन्तर विद्या प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष पद पर रहकर शिक्षा के क्षेत्र में समाज–सेवा का जो अभूतपूर्व सराहनीय कार्य किया, बल्लबगढ़ समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा I महानिदेशक, उच्चतर शिक्षा एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ I

अन्त में, मैं सभी माननीय अतिथियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने यहाँ पधार कर समारोह की शोभा बढ़ाई I

और सभी विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए डॉ० हरिवंशराय बच्चन की इन पंक्तियों से अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ–

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो I
जब तक ना सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम I
कुछ किये बिना ही जय–जयकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती I